United Books

# दिव्यम्

## ( संस्कृत की पाठ्यपुस्तक)

### सहायक पुस्तिका

भाग –1 ... 2
भाग –2 ... 6
भाग –3 ...10
भाग –4 ...16
भाग –5 ...22


**कक्षा 1 से 5 के लिए**

## Book - 1

## 1 स्तुतिः

स्वयं करें।

## 2 व्यवहार-वाक्यानि

स्वयं करें।

## 3 वर्णमाला

स्वयं करें।

## 4 स्वराः

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) ओतुः; (ख) औषधम्; (ग) हिरन; (घ) चन्द्रमा

**लिखित**

1. (क) (iv); (ख) (ii)
2. (क) ऊन; (ख) घोड़ा; (ग) सूर्य
3. (क) आचार्य; (ख) ऐरावत; (ग) बगीचा; (घ) बैल

## 5 व्यञ्जनानि

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) घटः; (ख) छाग; (ग) मछली; (घ) पालकी

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii)
2. (क) कबूतर; (ख) पक्षी; (ग) कमल
3. (क) चटका; (ख) झषः; (ग) हाथी; (घ) ठठेरा

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) धः; (ख) दर्दुरः; (ग) राजा; (घ) मित्र

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (i)
2. (क) ध्वजः; (ख) थः; (ग) दर्दुरः
3. (क) मयूरः; (ख) फलम्; (ग) भौंरा; (घ) शीशा

## 6 मात्रा-ज्ञानम्

स्वयं करे।

## 7 मात्रा-प्रयोगः

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) इ; (ख) ऐ; (ग) ऋ; (घ) ए

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (ii)
2. (क) शुकः, कुक्कुरः, त्रपुम्; (ख) औषधम्, औशीरम्, ढौकनम्; (ग) कोयल; (घ) राजा

## 8 शरीरस्य अङ्गानि

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) गरदन; (ख) घुटना; (ग) ललाटः; (घ) वक्षः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (ii)
2. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv); (घ) (i)

## पशवः-पक्षिणः

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) मुर्गा; (ख) खरगोश; (ग) महिषी; (घ) बकः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (i)
2. (क) कुक्कुटः; (ख) वर्तिका; (ग) पिकः

## पुष्पाणि-फलानि

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) पाटलम्; (ख) कुमुदिनी; (ग) अंगूर; (घ) तरबूज

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (iv)
2. (क) गेंदा; (ख) अनार; (ग) कुमुदिनी

## शाकानि खाद्यपदार्थानि च

**मौखिक**

1. स्वयं करे।
2. (क) गाजर; (ख) ओदनम्; (ग) लड्डू; (घ) कूष्माण्डम्

**लिखित**

1. (क) (iv); (ख) (ii); (ग) (iii)
2. (क) कद्दू; (ख) टमाटर; (ग) नमक; (घ) मक्खन
3. (क) जम्बीरः; (ख) गृञ्जनम्; (ग) मोदकम्; (घ) ओदनम्

## 12 सम्बन्धाः व्यवसायिनः च

**मौखिक**

**1.** स्वयं करे।

**2.** (क) पितामहः; (ख) बहन; (ग) कृषकः; (घ) दरजी

**लिखित**

**1.** (क) (iv); (ख) (ii); (ग) (i)

**2.** (क) पिता; (ख) माता; (ग) नाई; (घ) फोटोग्राफर

**3.** (क) तक्षकः; (ख) पितामही; (ग) भगिनी; (घ) भ्राता

## 13 क्रियाः रङ्गानि च

**मौखिक**

**1.** स्वयं करे।

**2.** (क) धावनम्; (ख) कूदना; (ग) पीतः; (घ) तैरना

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii)

**2.** (क) कूदना; (ख) दौड़ना; (ग) तैरना; (घ) खाना; (ङ) पढ़ना; (च) लिखना

**3.** (क) हरितः; (ख) श्वेतः; (ग) श्यामः; (घ) नीलः; (ङ) रक्त; (च) पीतः

## 14 क्रमबोधक संख्याः

स्वयं करें।

**Book - 2**

## 1 स्तुतिः

स्वयं करें।

## 2 पुनरावृत्तिः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)
2. (क) (iv); (ख) (iii); (ग) (i); (घ) (ii)
   बहुवचन — (क) अश्वाः; (ख) चक्राणि; (ग) अजाः; (घ) नृपाः
3. (क) लता; (ख) अजाः; (ग) बहुत-से राजा; (घ) बहुत-से पत्ते

## 3 क्रिया-शब्दाः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (ii)
2. (क) (vi) (e); (ख) (v) (f); (ग) (i) (g); (घ) (vii) (b); (ङ) (iii) (a) ; (च) (iv) (d); (छ) (ii) (c)
3. (क) नृत्यन्ति, (दो) नाचते हैं।, (One) dances; (ख) पश्यति, (दो) देखते हैं।, (Many) look; (ग) लिखतः, (एक) लिखता है, (बहुत-से) लिखते हैं।
4. (क) (एक) गिरता है; (ख) (दो) चलते हैं; (ग) (बहुत-से) नाचते हैं; (घ) (दो) पकाती हैं; (ङ) (एक) चलता है

## 4 वाक्यः-रचना ( एकवचन )

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)
2. (क) अश्वः; (ख) पठति; (ग) विकसति; (घ) चलति; (ङ) क्रीडति; (च) पत्रम्

3. (क) फूल खिलता है।; (ख) सुधा हँसती है।; (ग) लड़की नाचती है; (घ) शेर दहाड़ता है।; (ङ) लता पकाती है।
4. (क) श्रमिकः खादति।; (ख) एणः धावति; (ग) जननी भोजनं पचति; (घ) मनु पठति; (ङ) हरि नमति।
5. (क) गजः चलति। (ख) लता पचति। (ग) अश्वः धावति (घ) बालिका नृत्यति। (ङ) सुधा हसति।

## 5 वाक्यः-रचना ( द्विवचन )

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)
2. (क) कूजतः; (ख) पठतः; (ग) पाठयतः; (घ) पततः; (ङ) चरतः; (च) विकसतः
3. (क) महिले; (ख) बालकौ; (ग) पत्रौ; (घ) अश्वौ; (ङ) सिंहौ
4. (क) भल्लूकौ नृत्यतः।; (ख) चटके उइदयतः।; (ग) अजे चरतः।; (घ) अश्वौ धावतः।; (ङ) पुष्पे विकसतः।
5. (क) दो छात्र लिखते हैं।; (ख) दो मोर नाचते हैं।; (ग) दो किसान खेत जोतते हैं।; (घ) दो फूल खिलते हैं।; (ङ) दो भवन सुन्दर हैं।

## 6 वाक्यः-रचना ( बहुवचन )

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)
2. (क) चरन्ति; (ख) पचन्ति; (ग) पठन्ति; (घ) पिबन्ति; (ङ) खादन्ति; (च) पतन्ति
3. (क) पत्ते गिरते हैं।; (ख) फूल खिलते हैं।; (ग) शेर दहाड़ते हैं।; (घ) अध्यापिकाएँ पढ़ाती हैं।; (ङ) कोयलें कूकती हैं।
4. (क) वानराः नृत्यन्ति। (ख) बालकाः क्रीडन्ति। (ग) बालिकाः पठन्ति। (घ) घटानि पूरयन्ति। (ङ) खगाः उड्डयन्ति।
5. (क) चरन्ति। (ख) गर्जन्ति। (ग) चलन्ति। (घ) पूरयन्ति। (ङ) पतन्ति। (च) पचन्ति।
6. (क) (v) दर्दुराः कूर्दन्ति; (ख) (iv) अजाः चरन्ति; (ग) (i) पत्राणि पतन्ति; (घ) (iii) छात्राः लिखन्ति; (ङ) (ii) भल्लूकाः नृत्यन्ति

## 7 सर्वनाम-शब्दाः ( एतत् )

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) एते चटके।; (ख) एषा पिपीलिका।; (ग) एतत् कदलीफलम्।

**3.** (क) ये सब किसान हैं। (ख) ये सब कौन हैं। (ग) ये दो महिलाएँ हैं। (घ) ये सब आम हैं।

**4.** (क) एतानि कानि? (ख) एतौ कपोतौ। (ग) एतनि भवनानि। (घ) एषा चटका।

## 8 सर्वनाम-शब्दाः ( इयम् )

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv)

**2.** (क) इमानि पुष्पाणि।; (ख) इमौ अश्वौ।; (ग) इमे एणाः।

**3.** (क) यह घोड़ा है।; (ख) ये लड़कियाँ हैं।; (ग) ये बन्दर हैं।; (घ) ये दो पत्ते हैं।

**4.** (क) अयं गजः; (ख) इदं फलं; (ग) इमे पुरुषाः; (घ) इमे पिकौ

**5.** (क) बालकः; (ख) कुक्कुटौ; (ग) वृषभाः; (घ) घटिका; (ङ) फलानि; (च) सुते; (छ) लताः; (ज) भवनम्; (झ) पुष्पे।

## 9 सर्वनाम-शब्दाः ( तत् )

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)

**2.** (क) कमलम् विकसति।; (ख) चक्रे चलतः।; (ग) पुष्पाणि हसन्ति।; (घ) बालकः गणयति।; (ङ) अश्वौ धावतः।; (च) महिला पिबन्ति।

**3.** (क) यह घोड़ा दौड़ता है।; (ख) ये बालिकाएँ पकाती हैं।; (ग) ये बन्दर खाते हैं।; (घ) वह महिला पीती है।

**4.** (क) सः गजः धावति।; (ख) ते पुष्पौ विकसतः।; (ग) ते महिले वदतः; (घ) ताः छात्राः लिखन्ति।; (ङ) तानि पुष्पाणि विकसन्ति।

**5.** (क) सः नृपः अस्ति।; (ख) ते छात्रे स्तः।; (ग) तानि छत्राणि सन्ति।; (घ) ते आभूषणे स्तः।; (ङ) ताः बालिकाः सन्ति।

**6.** (क) तानि पुष्पाणि विकसन्ति।; (ख) चक्रे चलतः।; (ग) कमलम् विकसति।; (घ) चिकित्सकः औषधम् ददाति।; (ङ) गायिका गीतं गायति।

**7.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अश्वः | – | घोड़ा | Horse |
| वानराः | – | बहुत-से बन्दर | Monkeys |
| सन्ति | – | हैं | are |
| छत्राणि | – | बहुत-से छातें | Umbrellas |
| एडकाः | – | बहुत-सी भेड़ें | Sheeps |

## 10 सर्वनाम-शब्दाः ( युष्मद् )

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)

**2.** (क) लिखसि; (ख) क्रीडथः; (ग) विकसथ; (घ) त्वं; (ङ) युवाम्; (च) यूयम्

**3.** (क) तुम सब नाचते हो।; (ख) तुम दोनों गिरते हो।; (ग) तुम एक खिलते हो।; (घ) तुम एक पढ़ते हो।; (ङ) तुम एक घर से जाते हो।

**4.** (क) युवाम् पश्यसि। (ख) यूयम् पुस्तकं पठथ। (ग) त्वम् नमसि। (घ) युवाम् लेखं लिखथः। (ङ) यूयम् विद्यालयं गच्छथ।

**5.** (क) त्वम् अध्यापकं नमसि। (ख) युवाम् महिले पचथः। (ग) त्वम् वृक्षात् पतसि। (घ) यूयम् पुष्पं विकसथ। (ङ) युवाम् पुस्तकं पठथः।

**6.** (क) पठथः; (ख) पतथ; (ग) पचसि; (घ) गच्छसि।

**7.** (क) त्वं क्रीडसि।; (ख) युवां लिखथः।; (ग) यूयं लिखथ।; (घ) त्वं लिखसि।; (ङ) युवां क्रीडथः।

## 11 सर्वनाम-शब्दाः ( अस्मद् )

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii)

**2.** (क) चलामि; (ख) चलावः; (ग) चलामः।

**3.** (क) हम (सब) दूध पीते हैं।; (ख) मैं लेख लिखता हूँ।; (ग) हम जल्दी विकसित होंगे।; (घ) मैं अध्यापक को नमस्कार करता हूँ।; (ङ) हम (दो) वृक्ष से गिरते हैं।; (ङ) हम भोजन खाते हैं।

**4.** (क) अहम् पुस्तकम् पठामि।; (ख) वयम् विद्यालयम् गच्छामः।; (ग) आवाम् दुग्धम् पिबावः।; (घ) वयम् क्रिकेटं क्रीडामः।

**5.** (क) अहम् अध्यापकम् नमामि।; (ख) वयं दुग्धम् पिबामः।; (ग) आवां मन्दम् चलावः।; (घ) अहं भोजनम् पचामि।

# Book - 3

## 1 स्तुतिः

स्वयं करें।

## 2 पुनरावृत्तिः

**लिखित**

1. (क) (i); (ख) (ii); (ग) (i)
2. (क) दो मोर नाचते हैं।; (ख) बहुत-से फूल खिलते हैं।; (ग) वे बुढ़ियाँ पकाती हैं।; (घ) वह फल गिरता है।; (ङ) तुम सब गिरते हो।
3. (क) धेन्वौ गच्छतः।; (ख) यूयम् क्रीडथ।; (ग) वाहनौ चलतः।; (घ) अश्वाः धावन्ति।; (ङ) युवाम् क्रीडथः।; (च) अहम् लिखामि।; (छ) सिंह गर्जति।
4. (क) सः क्रीडकः क्रीडति।; (ख) तौ अश्वौ चरतः।; (ग) ते गायकाः गायन्ति।; (घ) सा बालका नृत्यति।; (ङ) ते छात्रे पठतः।; (च) ताः वृद्धाः पचन्ति।; (छ) तत् फलम् पतति।; (ज) ते पुष्पे विकसतः।; (झ) तानि चक्राणि चलन्ति।
5. (क) अहम्; (ख) सः; (ग) तत्; (घ) तौ; (ङ) तौ; (च) ताः; (छ) ते

## 3 कर्ता कारकम्-प्रथमा विभक्तिः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv)
2. (क) प्रीति वहाँ खेलती है।; (ख) वे दोनों आपस में बोलती और हँसती हैं।; (ग) दो पत्ते गिरते हैं।; (घ) वे दोनों पढ़ते और लिखते हैं।; (ङ) नितिन, श्याम और मनोहर वहाँ खेलते हैं।
3. (क) चक्रे चलतः।; (ख) राम श्यामः च लिखतः पठतः च।; (ग) ते महिले वदतः।; (घ) हरीशः क्रीडति कूर्दति च।; (ङ) निधिः रोमा च दृश्यतः।
4. (क) सः; (ख) तौ; (ग) ताः; (घ) तौ; (ङ) सः
5. (क) (iii); (ख) (v); (ग) (i); (घ) (ii); (ङ) (iv)

| 6. | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| | (क) मोहनः | मोहनौ | मोहनाः |
| | (ख) लेखम् | लेखे | लेखानि |
| | (ग) लता | लते | लताः |
| | (घ) देवः | देवौ | देवाः |

## 4 कर्म कारकम्-द्वितीया विभक्तिः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)
2. (क) छात्रः पुस्तकानि पठति।; (ख) कृषकौ क्षेत्रौ कर्षतः।; (ग) नीरजः लेखं लिखति; (घ) भारतः ईश्वरं नमति।; (ङ) चन्दनः फलानि खादति।
3. (क) विद्यालयं; (ख) फलानि; (ग) पत्रम्; (घ) अध्यापकं
4. (क) प्रातःकाले अहम् पञ्चवादने उतिष्ठामि।
   (ख) अहम् सर्वप्रथम् मातरं-पितरं च नमामि। तत्पश्चात् उद्यानं गच्छामि।
   (ग) आम्, अहम् प्रातः स्वाध्यायं करोमि।
   (घ) छात्र स्वयं करें।
5. (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (v); (ङ) (i)

## 5 बालगीतम्

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (iv)
2. (क) यह बालिका चंचल है।; (ख) कोयल बार-बार उड़ती है।; (ग) वह कुछ रुकती है, (फिर) कूदती है।; (घ) कुत्ता मुँह में रोटी लाता है।; (ङ) चिड़िया सुन्दर घोंसला बनाती है।
3. (क) गौ परितः पश्यति।; (ख) एषा बालिका कियती चपला अस्ति।; (ग) ते सुखिता समयं गमयति।; (घ) दर्दुरः टर्र-टर्रं करोति।; (ङ) मुहुर्मुहुः गमयति पुनरागच्छति च।
4. (क) एषा चटका। चूँ-चूँ कुरुते; (ख) पुनरागच्छति। किञ्चिद् विरमति; (ग) एषा रचयति। सुखिता समयं अस्याः
5. (क) एषा चटका चपला अस्ति।; (ख) चटका परितः पश्यति।; (ग) चटका शङ्किता।; (घ) सा सुन्दरं नीडं रचयति।

## 6 करण कारकम्-तृतीया विभक्तिः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv)

**2.** (क) माली जल से पौधे सींचता है।; (ख) (बहुत) लड़के गेंद से खेलते हैं।; (ग) पशु पैरों से चलते हैं।; (घ) आचार्य चॉक से लिखता है।; (ङ) हम आँखों से देखते हैं।

**3.** (क) छात्राः वाहनेन विद्यालयम् गच्छन्ति।; (ख) वयम् तत्र गच्छामः।; (ग) छात्रः कलमेन लेखं लिखति।; (घ) सः अश्वेन आगच्छति।; (ङ) शिशु कन्दुकेन क्रीडति।

**4.** (क) मुखेन; (ख) चरणाभ्यां; (ग) नेत्राभ्यांः; (घ) कन्दुकेन; (ङ) कलमेन्

**5.**

| शब्द | अर्थ | शब्द | अर्थ |
|---|---|---|---|
| हस्तेन | हाथ से | चिनोति | चुनता है |
| लिखामि | लिखता हूँ | मालाकारः | माली |
| वृद्धः | बूढ़ा | कलमैः | कलमों से |
| कन्दुकेन | गेंद से | गुम्फति | गूँथता है |
| भ्रमन्ति | घूमते हैं | वयम् | हम |

**6.** (क) सः मालाकारः अस्ति।; (ख) सः पुष्पै माला गुम्फति।; (ग) अहम् अपि कलमेन लिखामि।; (घ) गजाः पादैः चलति।

## 7 सम्प्रदान कारकम्-चतुर्थी विभक्तिः

**लिखित**

**1.** (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (i)

**2.** (क) मैं माता को भोजन देता हूँ।; (ख) हम सब ज्ञान के लिए पढ़ते हैं।; (ग) माली लड़कियों के लिए फूल तोड़ता है।; (घ) लड़कियाँ खेलने के लिए जाती हैं।; (ङ) अध्यापक छात्रों को इनाम देता है।

**3.** (क) सूर्य प्रकाशाय उदयति; (ख) बालकः वृद्धाय यष्टिका ददाति।; (ग) धनिकाः याचकाय भोजनम् यच्छन्ति।; (घ) सज्जनाः परोपकाराय जीवन्ति।; (ङ) वयं ज्ञानाय पठामः।

**4.** (क) शिक्षिकायै; (ख) पुस्तकाय; (ग) पुत्राय; (घ) मालाभ्यः; (ङ) बालकाय।

**5.** (क) नृपाः याचकाय धनम् यच्छति।; (ख) माता पुत्राय दुग्धम् ददाति।; (ग) अम्बा पुत्राय भोजनम् पचति।; (घ) पिता बालिकाय पुस्तकम् आनयति।

**6.** (क) अध्यापकः छात्राय **पारितोषम्** यच्छति।; (ख)अध्यापिका बालिकेभ्यः **मिष्ठान्नानि** यच्छन्ति।; (ग) रामः क्रीडकाभ्याम् **रूप्यकाणि** यच्छति।; (घ) मालाकारः मालाभ्यः **पुष्पाणि** त्रोटयति।; (ङ) नृपाः याचकाय धनम् **यच्छन्ति**।

**7.** (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (v); (ङ) (i)

## 8 आपादान कारकम्-पञ्चमी विभक्तिः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) माताजी बाजार से सब्जी लाती हैं।; (ख) बालक घोड़े-से गिरता है।; (ग) मैं तो वहाँ अकेला था।; (घ) यात्री गाँव से दूध लाता है।; (ङ) तुम कहाँ-से आते हो?

**3.** (क) छात्राः सम्पूर्णदिवसः अध्यापकेभ्यः पठन्ति।; (ख) ललितः गृहात् विद्यालयं गच्छति।; (ग) सः आपणात् कलमः मसीपात्रं च आनयति।; (घ) अमितः मित्रात् पुस्तकम् आनयति।; (ङ) वयं तत्र व्यायामं कुर्मः।

**4.** (क) वृक्षात्; (ख) उद्यानात्; (ग) अश्वात्; (घ) लतायाः; (ङ) विद्यालयात्।

**5.** (क) सुधाः आपणात् शाकानि आनयति।; (ख) बालकाः विद्यालयेभ्यः आगच्छन्ति।; (ग) पथिकः ग्रामात् दुग्धम् आनयति।

**6.** (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (v); (ङ) (i)

## 9 अस्माकम् महापुरुषाः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iii)

**2.** (क) यह हमारे राष्ट्रपिता हैं।; (ख) हरिशचन्द्र ने सत्य के लिए अपना राज्य छोड़ा था।; (ग) लक्ष्मीबाई को गुलामी स्वीकार नहीं थी।; (घ) लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के साथ युद्ध किया था।; (ङ) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे।

**3.** (क) अयम् आधुनिक भारतस्य जनकः अस्ति।; (ख) भगतसिंहः एकः वीरः सिपाही आसीत्; (ग) अटलबिहारीवाजपेयी भारतस्य प्रधानमन्त्रीः आसीत्।; (घ) अस्याः बाल्यकाले नाम मनु आसीत्।; (ङ) आजादः एकः महानदेशभक्तः आसीत्।

**4.** (क) महात्मा गाँधी; (ख) पं जवाहरलाल नेहरू; (ग) महारानी लक्ष्मीबाई; (घ) पं जवाहरलाल नेहरू

**5.** (क) आस्ताम्; (ख) अयच्छत्; (ग) आसीत्; (घ) अकरोत्; (ङ) स्वीकारोत्

## 10 मम परिवारः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) तुम्हारे विद्यालय में कितनी छात्राएँ हैं?; (ख) मेरे पिताजी सरकारी कार्यालय में बाबू हैं।;

(ग) मेरी माताजी अंग्रेजी की अध्यापिका हैं।; (घ) तुम्हारे बड़े भाई का नाम क्या है?; (ङ) उनके साथ तुम्हारा परिचय कराऊँगी।

3. (क) परिवारे वयं परस्परम् स्नेहम् कुरुते।; (ख) बालकाः बुजुर्गानाम् सम्मानम् कुरूते।; (ग) मम पितामहः स्नेहं कुरूते।; (घ) अहं स्व मातापितरयोः आज्ञाम् पालयामि।; (ङ) तव अग्रजः किम् करोति।; (च) त्वं कस्मिन् कक्षायाम् पठसि।; (छ) तव पिता किं करोति।
4. (क) मम परिवारे पञ्च **सदस्याः** सन्ति।
   (ख) मम पिता सरकारी कार्यालये **लिपिकः** अस्ति।
   (ग) तव किम् **अभिधानम्** अस्ति।
   (घ) मम मातुः **संस्कृतस्य** अध्यापिका अस्ति।
   (ङ) त्वं मम गृहं आगच्छ अहं तैः सह तव **परिचयं** करिष्यामि।

## 11 वर्णाः

### लिखित

1. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)
2. (क) भालू का रंग कैसा है?; (ख) कबूतर का रंग भी सफेद होता है।; (ग) आम का रंग कैसा है?; (घ) देखने में तो वह कौए के समान ही है परन्तु उनकी आवाजों में अन्तर है।; (ङ) गुलाब सफेद रंग का, लाल रंग का, और नारंगी रंग का होता है।
3. (क) आम्रस्य वर्णः कीदृशः भवति?; (ख) अस्माकम् ध्वजः त्रिवर्णः अस्ति।; (ग) सुधीरः! वकः हंसः च कीदृशः वर्णः भवतः।; (घ) गगनः नीलवर्णः भवति।; (ङ) दर्शने तु काकः पिकः च एकैष वर्णः भवतः।
4. स्वयं करें।
5. (क) आम्रः पीतवर्णस्य भवति।; (ख) भल्लूकः श्यामवर्णस्य भवति।; (ग) शशकः श्वेतवर्णस्य भवति।; (घ) ध्वजस्य मध्ये श्वेतवर्णः भवति।; (ङ) बकः श्वेतवर्णस्य भवति।
6. (क) पीतः; (ख) नीलः; (ग) हरितः; (घ) नीललोहितवर्णः; (ङ) रक्तः; (च) श्यामः; (छ) श्वेतः; (ज) केसरः

## 12 गणना

### लिखित

1. (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (iv)
2. (क) बगीचे में एक नींबू का पेड़ है।; (ख) बगीचे में तीन चिड़ियाँ आपस में बातें कर रही हैं।; (ग) एक वृक्ष पर छः मुर्गे हैं।; (घ) यह कुछ गुलाब के पेड़ हैं।; (ङ) वृक्षों से दस पत्ते गिरते हैं।

**3.** (क) अस्मिन् उद्याने दशबालकाः सन्ति।; (ख) आकाशे त्रयः पतंगाः उड्डयन्ति।; (ग) सौरपरिवारे नव-ग्रहाः सन्ति।; (घ) अस्मिन् कण्डीले दशफलानि सन्ति।; (ङ) मम पार्श्वे द्वौ पुस्तके स्तः।; (च) पाण्डवाः पञ्च आसन्।

**4.** द्वौ, चत्वार, पञ्च, सप्त, अष्ट, दशः

**5.** (क) एकः; (ख) त्रयः; (ग) चत्वारः; (घ) षट्; (ङ) सप्त; (च) नव; (छ) पञ्च

**6.** (क) द्वौ; (ख) अष्ट; (ग) चत्वारः; (घ) दशः; (ङ) षट्; (च) पञ्च; (छ) एकः; (ज) सप्त; (झ) नव; (ञ) त्रयः

## 13 सुभाषितानि

**1.** (क) माता देवी होती है।; (ख) गुरु देवता होता है।; (ग) लालच पाप का कारण है।; (घ) विद्वान सभी जगह पूजा जाता है।; (ङ) धर्म का आचरण करो।; (च) अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है।

**2.** (क) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।; (ख) पितृदेवो भव।; (ग) अतिथिः देवो भव।; (घ) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी; (ङ) विद्याविहीनः पशुः।; (च) सत्यं वद।

# Book - 4

## 1 स्तुतिः

1. (क) बालकः सद्बुद्धिं सत्कार्याणि कर्त्तुं।; (ख) सः शरीर बलेन् अन्येषाम् रक्षाम् करिष्यति।; (ग) सः मधुरवाण्या मधुरं वदिष्यति।; (घ) सः श्रवणशक्त्या हितवचनानाम् श्रवणं करिष्यति।
2. स्वयं करें।
3. (क) सद्बुद्धिम्, सत्कार्याणि; (ख) मधुरवाणीम्; (ग) वदिष्यामि।

## 2 पुनरावृत्तिः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)
2. (क) दो लड़कियाँ हँसती और बातें करती हैं।; (ख) दो बच्चे दो आँखों से देखते हैं।; (ग) वह बहुत-से बच्चों को मिठाई देती है।; (घ) यात्री गाँवों से दूध लाता है।; (ङ) गुलाब सफेद रंग का, लाल रंग का और नारंगी रंग का है।
3. (क) पत्राणि पतन्ति।; (ख) पशवाः पादेभ्यः धावन्ति।; (ग) अध्यापिका छात्राय पारितोषम् यच्छति।; (घ) पथिकः ग्रामात् आगच्छति।; (ङ) चित्रे त्रीणि पुष्पाणि सन्ति।
4. एकः द्वि त्रि चतुर्
   पञ्चन् षट् सप्तन् अष्ट्न्
   नवम् दशन्
5. रक्तः हरितः पीतः नीलः श्यामः

## 3 सम्बन्ध कारकम्-षष्ठी विभक्तिः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (ii)
2. (क) बालकस्य; (ख) श्रीकृष्णस्य; (ग) दशरथस्य; (घ) सीतायाः (ङ) श्रीरामस्य
3. (क) यह उसकी कक्षा का छात्र है।; (ख) कोयल का रंग काला है।; (ग) वह हमेशा देर से आता है।; (घ) कौए की आवाज कड़वी होती है।; (ङ) बालकों के पिता कार्यालय से आते हैं।
4. (क) अहम् प्रतिदिनम् गीतायाः पाठम् करोमि।; (ख) भारतस्य सैनिकाः वीराः सन्ति।; (ग) अस्य कस्य पत्रम् अस्ति?; (घ) पुष्पेषु सुगन्धः भवति।; (ङ) तस्य जनकः कुत्र अस्ति?

| 5. | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| | (क) बालकस्य | बालकयोः | बालकानाम् |
| | (ख) विद्यालयस्य | विद्यालयोः | विद्यालयानाम् |
| | (ग) भ्रातुः | भ्रातरोः | भ्रातृणाम् |
| | (घ) कक्षायाः | कक्षयोः | कक्षानाम् |
| | (ङ) रामस्य | रामयोः | रामाणाम् |
| | (च) कस्य | कयोः | केषाम् |

## 4 अधिकरण कारकम्-सप्तमी विभक्तिः

**लिखित**

**1.** (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (i)

**2.** (क) गाँवों में बहुत छोटे विद्यालय होते हैं।; (ख) कमलों में खुशबू होती है।; (ग) माताजी भोजन पकाने में निपुण है।; (घ) पुस्तकालय में पुस्तकें हैं।; (ङ) वृक्षों पर (बहुत-से) पक्षी रहते हैं।

**3.** (क) बालके, बालकेषु; (ख) लतयोः, लतासु; (ग) पुस्तकालये, पुस्तकालयेषु; (घ) वृक्षे, वृक्षयोः; (ङ) सरोवरे, सरोवरयोः

**4.** (क) अश्वाः क्रीडाक्षेत्रे धावन्ति।; (ख) छात्राः कक्षेषु उपविशन्ति।; (ग) उद्यानस्य सरोवरे पुष्पाणि विकसन्ति।; (घ) जनाः प्रातःकाले उद्याने भ्रमणाय गच्छन्ति।; (ङ) रतनः ग्रामे वसति।

**5.** (क) विद्यालये; (ख) ग्रामे; (ग) छात्रः; (घ) कविः; (ङ) क्रीडाक्षेत्रे

**6.** (क) जनाः उद्याने भ्रमणं कुर्वन्ति।; (ख) बालकाः उद्याने क्रीडन्ति।; (ग) खगाः वृक्षेषु वसन्ति।; (घ) उद्याने एकः तडागः अस्ति।; (ङ) कमलेषु सुगन्धः भवति।

## 5 सम्बोधन कारकम्-सम्बोधन विभक्तिः

**लिखित**

**1.** (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (i)

**2.** (क) श्रीमान तुम कौन हो?; (ख) तुम्हारा नाम क्या है?; (ग) विद्यालय में मेरे पुत्र की प्रवेश परीक्षा है।; (घ) अगले चौराहे से पूर्व दिशा की ओर विद्यालय है।

**3.** (क) हे सैनिकाः! रक्षां कुरु।; (ख) हे बालकाः! स्वपाठं स्मरन्तु।; (ग) हे पुत्र! त्वं आयुष्मान् भव।; (घ) हे ईश्वर! रक्षां कुरु।; (ङ) हे छात्राः! गृहं गच्छत।

| 4. | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| | हे बालक! | हे बालकौ! | हे बालकाः! |
| | हे रमा! | हे रमे! | हे रमाः! |
| | हे अध्यापक! | हे अध्यापकौ! | हे अध्यापकाः! |
| | हे श्रीमन्त! | हे श्रीमन्तौ! | हे श्रीमन्तः |

**5.** (क) क्षेत्रे; (ख) किमर्थम्; (ग) अभिधानम्; (घ) चतुष्पथात्

**6.** छात्रं स्वयं करें।

## 6 अस्माकं सहयोगिनः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) जनाः; (ख) निर्मलानि; (ग) भ्रामयति; (घ) अस्ति; (ङ) भवनं

**3.** (क) (v); (ख) (i); (ग) (ii); (घ) (iii); (ङ) (iv)

**4.** (क) चिकित्सक लोगों का इलाज करता है।; (ख) यह लोगों के मैले कपड़ों को साफ करता है।; (ग) कुम्हार मिट्टी के सकोरे बनाता है।; (घ) हम सब चमड़े से बने जूते पहनते हैं।; (ङ) राज हमारे लिए घर बनाता है।

**5.** (क) तस्य अपरम् अभिधानम् नीलमः अस्ति।; (ख) जनाः स्वच्छानि निर्मलानि च वस्त्राणि धारयन्ति।; (ग) सः स्वहस्तेन चित्रं रचयति।; (घ) सा सूचिकया सीव्यति; (ङ) कुम्भकारः मृतिकया दीपकान् घटान् च रचयति।

**6.** (क) चिकित्सकः जनानां चिकित्साम् करोति; (ख) रजकः क्षारेण वस्त्राणि प्रक्षालयति।; (ग) दीपकान् कुम्भकारः रचयति।; (घ) चर्मकारः पादत्राणानि सीव्यति।; (ङ) नापितः सिरं मुण्डयति।; (च) स्थपतिः अस्मभ्यं भवनम् रचयति।

## 7 दीपावली:

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)

**2.** (क) भविष्यति; (ख) गमिष्यन्ति; (ग) धारिष्यन्ति; (घ) भविष्यति; (ङ) खादिष्यामः

**3.** (क) बालकः पठिष्यति।; (ख) मोहनः गमिष्यति।; (ग) छात्रा नंस्यति; (घ) पुत्रः लेखिष्यति; (ङ) बालिका द्रक्ष्यति।

**4.**

| | **लट् लकार** | **लृट् लकार** |
|---|---|---|
| (क) | पिबति | पास्यति |
| (ख) | नमति | नंष्यति |
| (ग) | लिखति | लेखिष्यति |
| (घ) | तिष्ठति | स्थास्यति |
| (ङ) | हसति | हसिष्यति |
| (च) | धावति | धाविष्यति |

5. (क) कल विद्यालय में दीपावली की छुट्टी होगी।; (ख) छात्र अपने-अपने घर जायेंगे।; (ग) बालक अपने बड़े भाइयों के साथ दीपावली देखने जायेंगे।; (घ) पूजन करके वे सभी मिठाई खायेंगे।; (ङ) बालक पटाखे जलाकर प्रसन्न होंगे।
6. (क) बालकाः पुस्तकम् पठिष्यन्ति।; (ख) अहं मेलात् चाकचिक्यानि आनयिष्यामि।; (ग) वयम् क्रीडा क्षेत्रे क्रीडिष्यामः।; (घ) वयम् अध्यापकम् नंस्यामः।; (ङ) यूयम् उद्याने कदा गमिष्यथ।

## 8 वर्षाकालः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (iv)
2. (क) कूर्दति, वर्षाकालः वर्षाकालः; (ख) कल-कल-कल, सर-सर; (ग) घनः, नृत्यति, मरालः
3. (क) कल-कल; (ख) सर-सर; (ग) चीं-चीं; (घ) टर्र-टर्र; (ङ) भीं-भीं; (च) कू-कू; (छ) काँव-काँव; (ज) गर्जनम्।
4. (क) बालक मित्रों के साथ कूदता है।; (ख) नदी का पानी कल-कल करके बहता है।; (ग) कोयल पेड़ की शाखा पर कूकती है।; (घ) बादल गरजता है।; (ङ) हंस आकाश में गया।
5. (क) बालिकाः मित्रैः सह कूर्दन्ति।; (ख) वने कोकिला कूजति।; (ग) बालकः ह्यः नगरम् गतः।; (घ) समीरः सर-सर प्रवहति।; (ङ) मयूरः उपवने नृत्यति।
6. (क) बालः मित्रैः सह कूर्दति।; (ख) समीरः सर-सर वहति।; (ग) वने उपवने च पिकः मधुरं कूजति।; (घ) मयूरः नृत्यति। (ङ) गगनं मरालः गतः।

## 9 अव्यय-प्रयोगः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (iv)
2. (क) उपरि; (ख) समीपे; (ग) अधः; (घ) अन्तः; (ङ) बहिः
3. (क) बहिः; (ख) उपरि; (ग) अन्तः; (घ) समीपे; (ङ) अधः (च) दूरे
4. (क) राधिका आसन्दिकायाः उपरि तिष्ठति; (ख) मूषकः पेटिकायाः अधः अस्ति; (ग) पथिकः वृक्षस्य अधः सुप्तः; (घ) बालकः गृहात् बहिः क्रीडति।

## 10 मिथ्या प्रशंसा

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (iv)

**2.** (क) बुभुक्षितः; (ख) चञ्चवायां; (ग) स्वभावेन; (घ) श्रोतुम्; (ङ) पुलकितः

**3.**

| | **एकवचन** | **द्विवचन** | **बहुवचन** |
|---|---|---|---|
| (क) | आसीत् | आस्ताम् | आसन् |
| (ख) | अगच्छत् | अगच्छताम् | अगच्छन् |
| (ग) | अपठत् | अपठताम् | अपठन् |
| (घ) | अलिखत् | अलिखताम् | अलिखन् |
| (ङ) | अपतत् | अपतताम् | अपतन् |
| (च) | अखादत् | अखादताम् | अखादन् |
| (छ) | अकरोत् | अकरोताम् | अकुर्वन |
| (ज) | अधावत् | अधावताम् | अधावन् |

**4.** (क) काकः भूमौ मांसपिण्डम् अपश्यत्।; (ख) शृगालः शाठ्येन अवदत्-तव सौन्दर्यम् रमणीयम्।; (ग) काकः मिथ्या स्व प्रशंसाम् श्रुत्वा प्रसन्नः अभवत्।; (घ) अहो! तव नृत्यम् अपि मनोहरम् अस्ति।; (ङ) शृगालः मासपिण्डम् गृहीत्वा अन्यत्र अपलायत्।

**5.** (क) उसे भूमि पर एक मांस का टुकड़ा मिला।; (ख) गीदड़ तो स्वभाव से धूर्त था।; (ग) अरे! यह स्वादिष्ट मांस का टुकड़ा मैं कैसे प्राप्त करूँ।; (घ) अरे! तुम्हारा नृत्य भी बहुत आकर्षक है।; (ङ) चालाक गीदड़ उस मांस के टुकड़े को लेकर दूसरी तरफ भाग गया।

**6.** (क) काकः बुभुक्षितः आसीत्।; (ख) काकः वृक्षस्य शाखायाम् उपाविशत्।; (ग) शृगालः धूर्तः आसीत्।; (घ) काकस्य मुखात् मांसपिण्डं भूमौ अपतत्।; (ङ) मांसपिण्डं गृहीत्वा शृगालः अन्यत्र अपलायत्।

# सूक्तयः

**लिखित**

**1.** (क) (iii); (ख) (i); (ग) (iv)

**2.** (क) दुर्लभम्; (ख) लक्ष्मीः; (ग) उदारचरितानाम्; (घ) रक्षति; (ङ) समाचरेत्; (च) वीरभोग्या

**3.** (क) उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुम्बकम्।; (ख) हितम् मनोहारि च दुर्लभम् वचः।; (ग) महाजनो येन गतः स पन्थः।; (घ) वीरभोग्या वसुन्धरा।; (ङ) शठे शाठ्यम् समाचरेत्।; (च) उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

**4.** (क) मुश्किल से; (ख) सुन्दर; (ग) अच्छा मार्ग; (घ) पृथ्वी; (ङ) परिवार; (च) दूसरों को सताना; (छ) रक्षा किया गया; (ज) परिश्रम के द्वारा; (झ) शरीर में स्थित; (ञ) वीरों के भोगने योग्य।

**5.** (क) महाजनो येन गत; स पन्थः।; (ख) परोपकारः पुण्याय भवति।; (ग) विद्या विनयम् ददाति।; (घ) उद्यमेन कार्याणि सिद्धयन्ति।; (ङ) आलस्यं मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः; (च) विपरीतबुद्धिः विनाशकाले भवति।

## 12 गणनाः

**1.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| एकः | द्वौ | त्रयः | चत्वारः |
| पञ्च | षट् | सप्त | अष्ट |
| नव | दश | एकादश | द्वादश |
| त्रयोदश | चतुर्दश | पञ्चदश | षोडश |
| सप्तदश | अष्टादश | नवदश | विंशति |

**2.** (क) चतुर्विंशति; (ख) अष्टाविंशति; (ग) षड्त्रिंशत्; (घ) एकोनचत्वारिंशत्; (ङ) ऊनत्रिंशत्; (च) पञ्चविंशति; (छ) पञ्चत्रिंशत्; (ज) द्वाचत्वारिंशत्; (झ) पञ्चचतरिंशत्; (ञ) अष्टचत्वारिंशत्

**3.** (क) पैंतालीस; (ख) पचास; (ग) बयालीस; (घ) पैंतीस; (ङ) पच्चीस; (च) बाइस; (छ) पन्द्रह; (ज) बारह; (झ) चार; (ञ) तेईस

## 13 प्रहेलिकाः

**मौखिक**

**2.** (क) जलम् (ख) मयूरः (ग) पत्रम् (घ) रामः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) सदा; (ख) कदापि; (ग) च; (घ) विना; (ङ) पुनः

**3.** (क) उपानत् कुत्र गच्छति?; (ख) कस्य नृत्यम् जनाः पश्यन्ति?; (ग) पत्रं कः विना गच्छति?; (घ) हिम कस्य एव रूपम् अस्ति?

**4.** (क) समृद्धः + अपि; (ख) कः + चितः; (ग) मकारः + अन्ते; (घ) शोभितः + अस्मि

**5.** (क) जलम्; (ख) पश्यन्ति; (ग) नृत्यन्ति

# Book - 5

## 1 स्तुतिः

**लिखित**

**1.** (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (i)

**2.** (क) कोमलाङ्गम्, सीतासमारोपित; (ख) उमासुतम्, पादपङ्कजम्

**3.** (क) (जलज), पकंज; (ख) भुज, हस्त; (ग) लम्बोदर, उमासुत; (घ) गिरिजा, गौरी; (ङ) वत्स, सुत

**4.** (क) (iv); (ख) (v); (ग) (ii); (घ) (iii); (ङ) (i)

## 2 सुप्रभातम्

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) सायंकाले सूर्यः पश्चिमदिशायां अस्तम् भवति।
(ख) चन्द्रप्रकाशं चाँदनी अति मनोहरम् भवति।
(ग) अग्रजा वस्त्रम् प्रक्षालयति गृहं च सम्मार्जयति।
(घ) गोपालकाः दुग्धम् दुहन्ति वितरन्ति च।
(ङ) वृक्षाणाम् शाखासु वानराः कूर्दन्ति।

**3.** (क) रक्तवर्णः; (ख) कमलानि; (ग) दुहन्ति; (घ) कूर्दन्ति; (ङ) वृक्षाणाम्

**4.** (क) उदय के समय चन्द्रमा सफेद रंग का होता है।
(ख) लड़के और लड़कियाँ खेलने के मैदान में खेलते हैं।
(ग) शाम के समय बड़े भाई बाजार से मिठाई लाते हैं।
(घ) ग्वाले दूध दुहते और बाँटते हैं।
(ङ) आह! सुबह बहुत मनोहर और सुन्दर होती है।

**5.** (क) प्रभाते पूर्वदिशायाम् सूर्योदयः भवति।; (ख) प्रातःकाले जनाः भ्रमणाय उद्यानम् गच्छन्ति।; (ग) प्रातःकाले माता भोजनम् पचति।; (घ) प्रातःकाले कृषकाः क्षेत्रेषु गच्छन्ति।; (ङ) प्रातःकाले गोपालकाः दुग्धम् दुहन्ति वितरन्ति च।

## 3 वार्तालापः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)
2. (क) त्वम् कुत्र गमिष्यसि?; (ख) अहम् दिल्ली नगरम् गमिष्यामि।; (ग) दिल्ली नगरे लालकिलाम् अस्ति।; (घ) अहम् लालकिलाम् दृष्टुम् इच्छामि।; (ङ) किम् त्वम् अपि मया सह चलिष्यसि?
3. (क) ग्रीष्म-अवकाशे; (ख) गमिष्यसि; (ग) ताजमहलम्; (घ) त्वम्; (ङ) वयम्
4. (क) क्या तुम अकेले ही जाओगे?; (ख) वहाँ मेरे मामा का विवाह होगा।; (ग) हाँ, वह वहीं है।; (घ) वहाँ मेरा कोई परिचित नहीं है।
5. (क) सौरभः ग्रीष्म-अवकाशे आगरानगरे गमिष्यति।; (ख) गौरवस्य मिम् सौरभः अस्ति।; (ग) सौरभस्य मातुलस्य विवाहः भविष्यति।; (घ) आगरानगरे विश्वप्रसिद्धम् ताजमहलम् अस्ति।; (ङ) ताजमहलम् शाहजहाँनृपेन निर्मितम् अस्ति।

## 4 सिंहः-मूषकः

**लिखित**

1. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (ii)
2. (क) सिंहः मूषकयै अक्रुध्यत्।; (ख) भीतः मूषकः आर्तस्वरेण अवदत्।; (ग) अहम् अपि तव सहायताम् करिष्यामि।; (घ) सिंहः स्वमनसि अहसत्।; (ङ) अहम् त्वाम् अस्मात् जालात् मौचयानि।
3. (क) प्रभूतम्; (ख) आर्तस्वरेण; (ग) सहायताम्; (घ) उपकारम्; (ङ) सहायकम्
4. (क) किसी वन में एक शेर रहता था।
   (ख) वहाँ एक चूहा बिल से निकल कर शेर के शरीर पर इधर-उधर कूदने लगा।
   (ग) समय आने पर मैं भी तुम्हारी सहायता करुँगा।
   (घ) जाल में फँसा शेर दुःखी होकर बार-बार ऊँचे स्वर में गरजने लगा।
   (ङ) आज मैं जान गया हूँ कि छोटा जन्तु भी सहायक होता है।
5. (क) वने एकः सिंहः वसति स्म।
   (ख) सिंहस्य शरीरे मूषकः अकूर्दत्।
   (ग) स्वतन्त्रः भूत्वा सिंह मूषकम् अवदत्-अद्य अहमवगच्छम यत् क्षुद्रः जन्तुः अपि सहायकम् भवति।
   (घ) सिंहः व्याधस्य जाले पतितः।
   (ङ) सिंहस्य जालम् मूषकः अकृन्तत्।

## 5 लोट् लकार-आज्ञार्थक

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (ii); (ग) (iii)

**2.** (क) हे भगवन्! मम सहायताम् कुरु।; (ख) हे सरस्वती माँ! मां विद्यां यच्छ।; (ग) बच्चो! अत्र मा क्रीड।; (घ) भगवान श्रीरामाय नमः।; (ङ) अत्र आगत्य वस।

**3.** (क) (ii); (ख) (vi); (ग) (i); (घ) (iii); (ङ) (iv); (च) (v)

**4.** (क) हम सब मिलकर खेलते हैं।; (ख) वह मेहनत से पढ़े।; (ग) तुम अपने घर जाओ।; (घ) प्रभु मेरी रक्षा करे।; (ङ) हरि तुम चित्र देखो।

**5.** (क) त्वम् सायं पठ।; (ख) सः गमनात् पूर्वम् भोजनम् करोतु।; (ग) उल्लूकाः रात्रौ पश्यन्तु।; (घ) वयम् दिल्लीनगरम् गच्छेम।; ता कक्षायाम् न क्रीडन्तु।

**6.** (क) किम् त्वम् कदलीफलम् खादसि?; (ख) किम् सः कुक्कुरात् त्रस्यति?; (ग) किम् त्वं विद्यालयं गच्छसि?; (घ) ते प्रातः कुत्र गच्छन्ति?; (ङ) ताः पठितुम् कुत्र गच्छन्ति?

## 6 कक्षा-शिष्टाचारः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)

**2.** (क) अद्य दिसम्बरमासस्य विंशति दिनाङ्कः अस्ति।;

(ख) स्व-स्व वस्त्राणि धारयत।;

(ग) उपस्थितिम् वदतु।;

(घ) श्रीमन्तः! अहम् उपस्थितो अस्मि।;

(ङ) श्रीमन्तः! किम् अहम् जलम् पातुम् गच्छेयम्?

**3.** (क) आज सोलह तारीख और सोमवार है।

(ख) इस समय हम संस्कृत पढ़ेंगे।

(ग) अपनी-अपनी पुस्तकें खोलो।

(घ) अभ्यास के लिए अपनी अभ्यास-पुस्तकें खोलो और लिखो।

(ङ) श्रीमान्! क्या मैं लघुशंका के लिए जाऊँ?

**4.** (क) प्रथमः; (ख) संस्कृतम्; (ग) पठिष्यामः; (घ) अभ्यास; (ङ) जलम्

**5.** (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (v); (घ) (ii); (ङ) (vi); (च) (i)

## 7 खेलत-खेलम्

**लिखित**

1. (क) (i); (ख) (iii); (ग) (ii)
2. (क) एत राम। पाठम् पठ।; (ख) एकं सुन्दरम् गेंदम् आनय।; (ग) यूयम् मिलित्वा खेलत।; (घ) खेलने घर्षम् मा कुरु।; (ङ) खेलनैः शरीरं स्वस्थं भवति।
3. (क) सुन्दरम्, वायु; (ख) खेलाङ्गनम्, मिलित्वा; (ग) पालयत, शुद्धम्, कुरुत, नैव; (घ) विदधते, जगति।
4. (क) खेल सुख और एकता बढ़ाता है।; (ख) आओ, विनीता खेलने के मैदान में चलो।; (ग) गेंद को कठोर करते हैं।; (घ) लड़ाई मत करो।; (ङ) वह देश संसार में विजय प्राप्त करता है।
5. (क) बालिकाः! एत खेलम् खेलत।; (ख) सुन्दरम् दृढ़ं च गेंदम् आनय।; (ग) सर्वाः मिलित्वा गेंदं क्रीडन्ति।; (घ) इयम् कीचिका मया धारयते।; (ङ) यदि खेले किञ्चित् त्रुटिः भवति।
6. (क) खेलः सुखदं मेलं कुरुते।; (ख) वायुं भृत्वा गेंदुं कठोरं कुरुत।; (ग) कृतगर्वाः खेलाङ्गनं चलत।; (घ) शुद्धं खेले विधिः कार्यते।; (ङ) मया कीचिका धार्यते।; (च) बालिकाः गेंदुं खेलनैः स्वस्थाः तुष्टाः भवन्ति।

## 8 गान्धि-जयन्तीः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (ii)
2. (क) बालकः परिश्रमेण पठेत्।; (ख) वयं स्नेहेन व्यवहारम् कुर्वेम।; (ग) वयं समयेन विद्यालयं गच्छेम।; (घ) स्नेहेन द्वेषं जयेम।; (ङ) दुष्टतां सज्जनता तथा जयेत्।
3. (क) अस्ति; (ख) अहिंसायाः; (ग) पालयेम्; (घ) कुर्याम; (ङ) दानेन
4. (क) आज छात्रों की सभा होगी।; (ख) हमें सहयोग से बैठना चाहिए।; (ग) हमें समय से कार्य करना चाहिए।; (घ) यह बहुत ही खुशी का विषय है।; (ङ) वह लोगों के साथ समानता का व्यवहार करता था।
5. (क) **अस्मिन** दिने महात्मागान्धिः जयन्ती अस्ति।

   (ख) एकस्मिन् **लघुनगरे** महात्मा गान्धिनः जन्म अभवत्।

   (ग) **सर्वान्** जनैः सह मधुरं समानं च व्यवहारम् कुर्युः।

   (घ) महात्मा गान्धिः **सत्यवक्ता** आसीत्।

(ङ) महात्मागान्धिं सर्वे देशवासिनः पितृतुल्यम् मन्यन्ते।

(च) वयम् तस्य सिद्धान्तान् स्वीकृत्वा परिश्रमेण **स्वकर्तव्यानि** पालयेम।

(छ) वयम् सहयोगेन **तिष्ठेयम्**।

(ज) **परवस्तूनि** न हरेम।

**6.** (क) महात्मागान्धिनः जन्म पोरबन्दरनाम्नि लघुनगरे अभवत्।

(ख) अद्य छात्राणां, अध्यापकानां कर्मचारिणां च सभा भविष्यति।

(ग) वयम् अपि गान्धिनः मार्गम् अनुसरेम।

(घ) भेदभावं विस्मृत्य स्नेहेन व्यवहरेम।

(ङ) अक्रोधेन क्रोधम् जयेत्, साधुना असाधुम् जयेत्। दानेन् कदर्यं जयेत्, सत्येन अलीक व बादिनम् जयेत्।

## 9 प्रत्ययः

**1.** (क) शब्द या धातु के बाद जुड़नेवाले शब्दांश 'प्रत्यय' कहलाते हैं।

(ख) प्रत्यय के दो भेद होते हैं– 1. तद्धित श कृदन्त।

(ग) जो प्रत्यय शब्द के साथ जोड़े जाते हैं। उसे 'तद्धित' प्रत्यय कहते हैं।

(घ) जो प्रत्यय धातु के साथ जोड़े जाते हैं। उसे 'कृत' प्रत्यय कहते हैं।

**2.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) कुर्वन् | कृतः | कृतवान् | कर्तुम् |
| (ख) शृण्वन् | श्रुतः | श्रुतवान् | श्रोतुम् |
| (ग) हनन् | हतः | हतवान् | हन्तुम् |
| (घ) जानन् | ज्ञातः | ज्ञातवान् | ज्ञातुम् |
| (ङ) लिखन् | लिखितः | लिखितवान् | लेखितुम् |
| (च) पठन् | पठितः | पठितवान् | पठितुम् |
| (छ) प्रच्छन् | प्रष्टः | प्रष्टवान् | प्रष्टुम् |
| (ज) गच्छन् | गतः | गतवान् | गन्तुम् |

## 10 वीरः बाल-अभिमन्युः

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)

**2.** (क) अर्जुनः कार्यवशात् श्रीकृष्णेन सह बहिः गतः।; (ख) अभिमन्युः अर्जुनस्य ज्येष्ठः पुत्रः आसीत्।;

(ग) कौरवाः चक्रव्यूहः रचितः।; (घ) अभिमन्युः चक्रव्यूहस्य भेदनं कृतः।; (ङ) कौरवाः अभिमन्युः आक्रमणः कुर्येत्।; (च) अन्ते अभिमन्यु वीरगतिम् प्राप्तः।

**3.** (क) अवसरं लब्ध्वा; (ख) लज्जां; (ग) रक्षार्थं; (घ) वीरगतिम्

**4.** (क) गतम्; (ख) उक्तम्; (ग) पठनम् (घ) लिखतम्; (ङ) निषिद्धम्; (च) ग्रहणम्; (छ) क्षमणम्; (ज) पीतम्

**5.** (क) तब कौरवों में श्रेष्ठ दुर्योधन ने अवसर पाकर चक्रव्यूह की रचना की।

(ख) मुझे चक्रव्यूह को तोड़ने की आज्ञा दीजिए।

(ग) किन्तु निकलने के ज्ञान के अभाव के कारण वह शत्रुओं से घिर गया।

(घ) अकेले वह अनेक महारथियों के साथ युद्ध करते हुए रक्त में नहा गया।

(ङ) जिसने अपने प्राण देकर भी अपने कुल के गौरव की रक्षा की।

**6.** (क) अभिमन्युः अर्जुनस्य पुत्रः आसीत्।; (ख) सः युद्धाय चक्रव्यूहे अगच्छत्।; (ग) वीरः अभिमन्युः युद्धे कपटेन शत्रुभिः परिवृतः।; (घ) अभिमन्युः कपटेन शत्रुभिः गृहीतः सः वीरगति प्राप्तः।; (ङ) वयं अभिमन्युं तस्य वीरतायाः कारणात् स्मरामः।

# 11 सदाचारः

## लिखित

**1.** (क) (iii); (ख) (i); (ग) (ii)

**2.** (क) प्रातः ईश्वरं भजनीयम्।; (ख) रामायणं पठनीयम्।; (ग) असत्यं त्यजनीयम्।; (घ) सत्यवचनम् वदनीयम्।; (ङ) रात्रौ न जागरणीयम्।

**3.**

| | | |
|---|---|---|
| (क) लट् | प्रथम | एकवचन |
| (ख) लङ् | प्रथम | द्विवचन |
| (ग) लृट् | उत्तम पुरुष | द्विवचन |
| (घ) लट् | मध्यम | एकवचन |
| (ङ) लोट | प्रथम | एकवचन |
| (च) लङ् | उत्तम | बहुवचन |

**4.** (क) सत्य वचन बोलने चाहिए।; (ख) प्रातः अवश्य उठना चाहिए।; (ग) गुरुओं को नमस्कार करना चाहिए।; (घ) मेहमान का आदर करना चाहिए।; (ङ) अच्छी पुस्तकें पढ़नी चाहिए।

**5.** (क) (iii); (ख) (v); (ग) (i); (घ) (ii); (ङ) (iv)

**6.** (क) प्रातः सायं भजनीयम्।; (ख) सद्वचनं वदनीयम्।; (ग) रात्रौ शीघ्रं शयनीयम्।; (घ) अप्रियं वचनं त्यजनीयम्।; (ङ) अतिथि गुरोः च वन्दनं करणीयम्।

# 12 चत्वारः मूर्खपण्डिताः

**लिखित**

**1.** (क) (iii); (ख) (i); (ग) (ii)

**2.** (क) कस्मिश्चित् ग्रामे चत्वारः कृषकाः वसन्ति स्म।; (ख) ते व्यवहारेण अति कठोराः आसन् परं परिश्रमी आसन्।; (ग) वयं एवं सिंहः जीविंत कुर्मः।; (घ) एनं जीवितं मा कुरु।; (ङ) मूर्खस्य ज्ञानम् अनर्थस्य कारणम् भवति।

**3.** (क) देशान्तरम्; (ख) योजितवान्; (ग) परीक्षाम्; (घ) मा

**4.** (क) उनमें से तीन शास्त्रों में निपुण थे परन्तु व्यवहार में बुद्धिरहित थे।

(ख) एक दूसरा शास्त्र तो नहीं जानता था परन्तु बुद्धिमान था।

(ग) मार्ग में उनको एक मृत शेर की हड्डियाँ दिखाई दी।

(घ) हम इस शेर को जीवित करेंगे।

(ङ) इसे जीवित मत करो।

**5.** (क) अर्थ – गरीब

वाक्य प्रयोग – त्रयः पण्डिताः दरिद्राः आसन्।

(ख) अर्थ – मूर्ख पण्डित

वाक्य प्रयोग – ग्रामे एकः मूर्खपण्डितः आसीत्।

(ग) अर्थ – निश्चित क्रम से

वाक्य प्रयोग – एकः मूर्खः सिंहस्य अस्थीनि योग्यक्रमेण योजितवान्।

(घ) अर्थ – खा गया

वाक्य प्रयोग – सिंहः त्रीन् पण्डितान् हत्वा खदितवान्।

(ङ) अर्थ – चढ़ गया

वाक्य प्रयोग – चतुर्थः पण्डितः, एकं वृक्षम् आरुढवान्।

**6.** (क) चत्वारः मूर्खपण्डिताः देशान्तरं गन्तुं निश्चयम् कृतवन्तः।

(ख) मार्गे ते एकस्य मृतसिंहस्य अस्थीनि दृष्टवन्तः।

(ग) द्वितीय तत्र रक्त मांस चर्मादिक सयोजितवान।

(घ) शास्त्रज्ञान रहितः चतुर्थः उक्तवान, – ''एतस्य जीवदानं मा कुरु।''

(ङ) जीवितः भूत्वाः सिंहः त्रीन् पण्डितान् हत्वा खादितवान्।

## 13 समासः

1. जब दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं, तो उसे समास कहते हैं।
2. समास के छः भेद होते हैं– 1. अव्ययीभाव, 2. तत्पुरुष, 3. कर्मधारय, 4. द्वन्द्व, 5. बहुव्रीहि, 6. द्विगु।
3. (क) यथाशक्ति — उपनगरम्
   (ख) राजपुत्रः — ग्रामजनाः
   (ग) कृष्णसर्पः — रक्तकमलम्
   (घ) भ्रातृभगिन्यौ — रामकृष्णौ
   (ङ) पीताम्बरः — चन्द्रशेखरः
   (च) त्रिभुवनम् — पञ्चवटी
4. (क) कामम् अनतिक्रम्य; (ख) पञ्चानाम् पात्राणां समाहारः; (ग) पीतं च तत् वस्त्रम्; (घ) कायरः पुरुषः; (ङ) कृष्णश्च सत्यभामा च; (च) नीलम् उत्पलम्; (छ) खड्गेन हतम्; (ज) कौशल्या रामः च; (झ) दशः आननः यस्य सः; (ञ) नृपस्य पुत्रः

## 14 गुरुभक्तः आरुणिः

**लिखित**

1. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (ii)
2. (क) पुरा आयोदधौम्य नामकः महर्षिः आसीत्।; (ख) आरुणिः क्षेत्रम् अगच्छत्।; (ग) एकं मार्गम् जलस्य तीव्र प्रवाहेन न अपारयत्।; (घ) ऋषिः उक्तम्– ''आरुणि! त्वम् क्वासि इहागच्छ।''; (ङ) वत्स! त्वम् मम अभूतपूर्वः शिष्यः।
3. (क) क्षेत्रम्; (ख) दिनम्; (ग) क्षेत्रम्; (घ) प्रसादेन
4. (क) प्राचीन समय में आयोदधौम्य नामक महर्षि थे।; (ख) उनके अनेक शिष्य थे।; (ग) उनमे आरुणि नामक शिष्य भी था।; (घ) वहाँ उसने सभी जलमार्ग रोक दिए।; (ङ) तब गुरु के आशीर्वाद से आरुणि ने थोड़े ही समय में सभी शिक्षा सीख ली।
5. (क) आरुणिः आयोदधौम्यस्य शिष्यः आसीत्।; (ख) गुरुः आरुणिम् आदिशत् – ''वत्स! केदारखण्डम् वध्वा रक्ष।''; (ग) आरुणिः स्वमेव तत्र समाविशत् जलस्य प्रवाहो रुद्धोऽभवत् च।; (घ) गुरुः अवदत् – वत्स! त्वं मम अभूतपूर्वः शिष्यः।

## 15 सुभाषितानिः

**लिखित**

**1.** (क) (i); (ख) (ii)

**2.** (क) उद्यमः साहसम् धैर्यम् बुद्धिः शक्ति पराक्रमः च षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः सहायकः।;
(ख) उद्यमेनैव कार्याणि सिद्धयन्ति।
(ग) विद्या सर्वस्य भूषणम्

**क्रियाकलाप**

**1.** (क) धैर्य बुद्धिः शक्तिः, तत्र देवः; (ख) नारीणां भूषणं, विद्या सर्वस्य

## 16 अवकाशाय प्रार्थना-पत्रम्

**लिखित**

**1.** (क) (ii); (ख) (ii)

**2.** (क) सेवा में, प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु संस्कृत विद्यालयः प्रयोग।
(ख) सविनय निवेदन है, कि मैं बुखार से पीड़ित हूँ।
(ग) तेज सिर का दर्द मुझे कष्ट दे रहा है।
(घ) इसलिए मैं आज विद्यालय में उपस्थित होने में असमर्थ हूँ।
(ङ) आज से नवम्बर मास की बारह तारीख तक तीन दिन का बीमारी का अवकाश स्वीकार करके मुझे अनुग्रहीत करें।

**3.** (क) प्रतिष्ठायाम्, प्रधानाचार्यः, नवजीवन बाल विद्यालयः, अशोक विहार, दिल्ली।
(ख) महोदय! अहम् ज्वरपीडितः अस्मि।
(ग) अति शिरोवेदना मां व्यथयति।
(घ) कण्ठे अपि पीड़ा अस्ति।
(ङ) अतः अहम् विद्यालये उपस्थितुं अक्षमः अस्मि।

**4.** (क) ज्वरेण; (ख) शिरोवेदना; (ग) पीड़ा; (घ) विद्यालये; (ङ) त्रिदिवसानां

**5.** (क) (ii); (ख) (iv); (ग) (v); (घ) (iii); (ङ) (i)

NOTES